Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 27 October 2024

Inext Page - 04

अब जेई वायरस नहीं ले पाएगा नौनिहालों की जान

himanshu.pandey@inext.co.in

GORAKHPUR (26 OCT): दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के फिजिक्स डिपार्टमेंट ने जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण ड्रग की खोज की है. एडिनोसिल डेरीवेटिव ए पोटेंशियल इन्हीबीटर्स ऑफ एनएस-3 एंड एनएस-5 प्रोटीज के नाम से ये रिसर्च किया गया. रिसर्च में जेई वायरस के दो सबसे शक्तिशाली प्रोटीन को नियंत्रित करने की दवा की खोज करने का दावा किया गया है.

GOOD NEWS

- डीडीयू ने चार साल में की खोज, एडिनोसिल डेरीवेटिव से पूरी तरह कंट्रोल में रहेगा जापानी इंसेफेलाइटिस
- जापानी इंसेफेलाइटिस के जानलेवा प्रकोप से बचाने के लिए डीडीयू के फिजिक्स डिपार्टमेंट ने किया रिसर्च
- वायरस के दो शक्तिशाली प्रोटीन एनएस-3 व एनएस-5 प्रोटीन को फैलने से रोकता है ड्रग

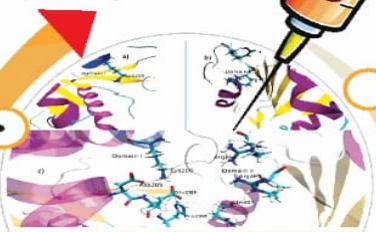

2019 से डीडीयू में शुरू किया गया था रिसर्च

इन्होंने किया रिसर्च

मेंबर डिपार्टमेंट यूनिवर्सिटी

1- प्रो. राकेश कुमार तिवारी, सीनियर प्रोफेसर फिजिक्स, डीडीयू
2- प्रो. आरपी ओझा, रिटायर्ड प्रोफेसर फिजिक्स, डीडीयू
3- डॉ. अम्बरीश श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर फिजिक्स, डीडीयू
4- डॉ. विष्णु दत्त पाण्डेय, रिसर्च स्कालर फिजिक्स, डीडीयू
5- विनायक पाण्डेय, रिसर्च स्कालर फिजिक्स, डीडीयू
6- मुरली पाण्डेय, रिसर्च स्कालर फिजिक्स, डीडीयू

ऐसे होता जेई संक्रमण

1- सूअर के संपर्क वाले मच्छर के काटने से
2- जलजनित बीमारी का तराई बेल्ट में अधिक होता है प्रकोप
3- गंदे वातावरण में रहने से
4- सेल में प्रवेश के बाद वायरस के नॉन स्ट्रक्चरल प्रोटीन के निर्माण से

"यूनिवर्सिटी का फिजिक्स डिपार्टमेंट हमेशा से कुछ नया करने के लिए जाना जाता है. डीडीयू में रिसर्च को बढ़ावा देने का ही नतीजा है कि पूर्वांचल में स्वास्थ्य की सबसे बड़ी समस्या जापानी इंसेफेलाइटिस के नियंत्रण की सटीक ड्रग की खोज की गई है. इससे सभी उम्र के लोगों की जान बचाने में मदद मिलेगी. अब यूनिवर्सिटी प्रशासन इसका पेटेंट कराने के लिए आगे की कार्रवाई करेगा.

प्रो. पूनम टंडन, वीसी

2019 से रिसर्च

इस रिसर्च में सामने आई दवा वायरस को सेल से मस्तिष्क तक फैलने से रोकती है. रिसर्च का निर्देशन करने वाले सीनियर प्रो. राकेश तिवारी ने बताया कि साल 2019 में बीआरडी मेडिकल कॉलेज में हुई जेई प्रभावित बच्चों की मौत से काफी आहत हुए थे. उन्होंने बताया कि इसके बाद ही यह ड्रग तैयार करने का निर्णय लिया गया था. फिर डिपार्टमेंट के अन्य टीचर्स व रिसर्च स्कालर्स के सहयोग से चार साल में ड्रग की खोज की गई. प्रो. तिवारी ने बताया कि यह दवा पूरी तरह से जेई वायरस को नियंत्रित करने में कारगर है और संक्रमण को फैलने से रोकती है. ड्रग टेस्ट के बाद इसे दो अंतरराष्ट्रीय जर्नल प्रकाशित कर चुके हैं.

सी-डैक पुणे में टेस्टिंग

रिसर्च के दौरान कंपाउंड की टेस्टिंग पुणे स्थित सी-डैक लैब में लगे सुपर कम्प्यूटर से की गई है. गोरखपुर यूनिवर्सिटी और यूजीसी के इस साझा प्रोजेक्ट के लिए नोयडा की शिवनादर यूनिवर्सिटी ने भी कम्प्यूटर फैसिलिटीज का सहयोग किया है.

दिमागी प्रवेश पर रोक

रिसर्च प्रोजेक्ट को हेड करने वाले प्रो. राकेश तिवारी ने बताया कि इडिनोसिल डेरीवेटिव कंपाउंड नाम का यह ड्रग जेई वायरस के दो शक्तिशाली प्रोटीन एनएस-3 और एनएस-5 को नियंत्रित करते हुए इसे दिमाग में प्रवेश करने से रोकता है. प्रो. तिवारी ने बताया कि जेई का जानलेवा प्रहार वायरस के दिमाग में प्रवेश करने के बाद ही होता है. उन्होंने बताया कि कोई सटीक दवा न होने के चलते मासूम उम्र में ही बच्चे इसके शिकार होकर दम तोड़ देते थे. लेकिन अब समय रहते इसका कारगर दवा से इलाज हो जाने पर बच्चों और युवाओं के साथ ही सभी उम्र के लोगों की जान बचाई जा सकेगी.

पूर्वांचल में वायरस

रिसर्च टीम को लीड करने वाले प्रो. राकेश तिवारी ने बताया कि जेई वायरस केवल पूर्वांचल क्षेत्र में ही फैलता है. इसकी वजह से डब्लूएचओ समेत अन्य वर्ल्ड लेवल की संस्थाएं इसपर रिसर्च करने में रूचि नहीं लेती थी. उन्होंने बताया कि बड़े पैमाने पर हो रही मासूम बच्चों की मौत ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया. जिससे उन्हें ड्रग इजाद करने की प्रेरणा मिली. प्रो. तिवारी ने कहा कि एडिनोसिल कंपाउंड शरीर के अंदर लीवर में ही बनता है. उन्होंने कहा कि जिन लोगों में एडिनोसिल का प्रोडक्शन या सप्लाई सही तरीके से नहीं हो पाती, वे जेई के शिकार हो जाते हैं. ऐसे लोगों को एडिनोसिल की डोज देकर जेई के जानलेवा प्रकोप से बचाया जा सकता है.

अंतरराष्ट्रीय जर्नल

डिनोसिल डेरीवेटिव ए पोटेंशियल इन्हीबीटर्स ऑफ एनएस-3 एण्ड एनएस-5 प्रोटीज रिसर्च को 8.5 इम्पैक्ट फैक्टर के अंतरराष्ट्रीय जर्नल फ्रांटियर्स इन केमेस्ट्री व 4 इम्पैक्ट फैक्टर के अंतरराष्ट्रीय जर्नल कम्प्यूटेशनल एंड थ्यूरेटिकल केमेस्ट्री (इल्जीवियर)ने प्रकाशित किया है. अब रिसर्च को यूनिवर्सिटी प्रशासन पेटेंट कराने के साथ ही प्रोडक्शन व सप्लाई के लिए कंपनी को सेल आउट करने की तैयारी में है.

Hindustan Page - 07

छात्रों ने ब्रह्मांड के विज्ञान को समझा

गोरखपुर। डीडीयू के गणित एवं सांख्यिकी विभाग एवं भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित 'गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यशाला में विद्ववतजनों ने प्रतिभागियों को गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान को समझाने का प्रयास किया।

विवि के प्रति कुलपति और भौतिकी विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी ने प्रमुख विषयों पर गहन चर्चा के साथ प्रतिभागियों को ब्रह्मांडीय दूरियों, विस्तार और आकार के मापन के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न आधुनिक तरीकों और तकनीकों की गहन जानकारी दी। दूसरे सत्र में आयुका पुणे के प्रोफेसर अप्रतिम गांगुली ने सिग्नल-टू-नॉइज अनुपात और पावर स्पेक्ट्रल डेंसिटी पर व्याख्यान दिया। समापन समारोह में नेहू शिलांग के प्रो. जीबीतेस दत्ता मुख्य अतिथि रहे।

आईसीएसआर से संबद्ध होगा डीडीयू का कृषि संस्थान

गोरखपुर। डीडीयू में संचालित कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान को बेहतर शैक्षणिक सुविधा व अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएसआर) से संबद्ध किया जाएगा। इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। संबद्धता के लिए आईसीएसआर के मानक के अनुरूप प्रयोगशाला का अपग्रेड करने की तैयारी है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम के रूप में कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान संचालित है। संस्थान में कृषि की स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई होती है। बीएससी कृषि में करीब 700 और एमएससी कृषि में लगभग 250 छात्र अध्ययनरत हैं।

Amar Ujala
Page - 07

'टीम भावना को प्रोत्साहित करता है स्वागत समारोह'

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में एमए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा एमए प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के सम्मान में स्नेहिल स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में सामूहिकता, एकता और आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करते हैं। अंजू उपाध्याय ने कविता पाठ से तालियां बटोरीं। अनुप्रिया मिश्रा, प्रतीक्षा मिश्रा, साक्षी सिंह और आरुषि गौतम के सुरमयी गीतों ने समा बांध दिया। गौरव के ब्रेक डांस ने सभी को अचंभित कर दिया। आनंद और कुशाग्र ने संयोजन, आकर्षिका व श्वेता उपाध्याय ने संचालन किया। संवाद

शरीर शुद्धि से चित्त शुद्धि के महत्व पर दिया जोर

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ की ओर से 'योग यात्रा में क्रमिक विकास : चित्त वृत्ति, संस्कार और प्रज्ञा के विशेष संदर्भ में' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रो. प्रशांत कुमार राय रहे। प्रो. राय ने योग के यात्रा में आने वाले विभिन्न पड़ावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने शरीर शुद्धि से चित्त शुद्धि के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शोधपीठ के उप निदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र ने किया। संचालन शोधपीठ के रिसर्च एसोसिएट डॉ. सुनील कुमार ने किया। संवाद

Rashtriya Sahara Page - 10

रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

गोरखपुर (एसएनबी)। मिशन शक्ति (चरण 5) के अंतर्गत महिलाओं के लिए रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को बैंकिंग और इंश्योरेंस (बी एंड आई), वाणिज्य विभाग, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया।

आज के सत्र में कौशल एवं आलोचनात्मक विश्लेषण जैसे विषयों को शामिल किया गया। नांदी फाउंडेशन के प्रशिक्षक अमित उत्तरानी, अंकित पुरी और मोहम्मद शाकिब ने कार्यस्थल पर समन्वय और सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। छात्राओं को सिखाया गया कि कैसे एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक दूसरों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रशिक्षकों ने छात्राओं के बीच सहयोगात्मक कौशल विकसित करने और रोजगार में इसके महत्व का अनुभव करने के लिए विभिन्न क्रियाकलापों की व्यवस्था की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को समय-सीमा मे कार्य पूरा करने, आपसी सामंजस्य बनाने, विवादों को सुलझाने तथा सौहार्दपूर्ण कार्य संस्कृति बनाने के बारे में जागरूक किया। इस दौरान बी एंड आई के समन्वयक डा.मनीष कुमार, शिक्षक डा. अभिषेक कुमार, डा. अंशिका मिश्रा, डा. फरोजान, डा. सारिका गुप्ता, सुश्री खुशबू वर्मा आदि उपस्थित रहे।

Nirbhik India

मिशन शक्ति के 5वें चरण का आयोजन

निर्भीक इंडिया संवाददाता गोरखपुर

मिशन शक्ति (चरण 5) के अंतर्गत महिलाओं के लिए रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 अक्टूबर 2024 को बैंकिंग और इंश्योरेंस (बी एंड आई), वाणिज्य विभाग, डीडीयू, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित किया गया। आज के सत्र में कौशल एवं आलोचनात्मक विश्लेषण जैसे विषयों को शामिल किया गया। नांदी फाउंडेशन के प्रशिक्षक श्री अमित उत्तरानी, श्री अंकित पुरी और मोहम्मद शाकिब ने कार्यस्थल पर समन्वय और सहयोग की भूमिका पर जोर दिया।

छात्राओं को सिखाया गया कि कैसे एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक दूसरों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रशिक्षकों ने छात्राओं के बीच सहयोगात्मक कौशल विकसित करने और रोजगार में इसके महत्व का अनुभव करने के लिए विभिन्न क्रिया-कलापों की व्यवस्था की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को समय-सीमा में कार्य पूरा करने, आपसी सामंजस्य बनाने, विवादों को सुलझाने तथा सौहार्दपूर्ण कार्य संस्कृति बनाने के बारे में जागरूक किया।

सत्र को आगे बढ़ाते हुए, प्रशिक्षकों ने इस मान पर प्रकाश डाला कि आज के कार्यस्थल में वाणिज्य विभाग के कार्यस्थल में आज के लिए आलोचनात्मक सोच का अनिवार्य है। प्रशिक्षकों ने वर्तमान परिस्थिति के अनुरूप विश्लेषण, व्याख्या, मूल्यांकन और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने पर जोर दिया। छात्रों ने निर्णय वृक्ष और कार्यस्थल में उनके सामने आने वाले विभिन्न परिदृश्यों के प्रति तर्कसंगत दृष्टिकोण विकसित करने और अनुप्रयोगों के बारे में समझा। पूरा सत्र सहयोगात्मक कौशल विकसित करने और विभिन्न स्थितियों में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने पर केंद्रित रहा।

बी एंड आई के समन्वयक डॉ. मनीष कुमार और बी एंड आई के शिक्षक डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. अंशिका मिश्रा, डॉ. फरोजान, डॉ. सारिका गुप्ता और सुश्री खुशबू वर्मा पूरे सत्र में उपस्थित रहे।

गोरक्षनाथ शोधपीठ में योग पर हुआ आनलाईन व्याख्यान का आयोजन

बुलेट प्वाइंट

- योग की यात्रा बहु वृत्ति से शून्य वृत्ति के तरफ चलती है - प्रो. प्रशांत कुमार राय
- योगसूत्र एवं हठयोग प्रदीपिका ही योग का मानक है - प्रो. प्रशांत कुमार राय

निर्भीक इंडिया संवाददाता गोरखपुर

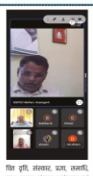

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पूनम टंडन के संरक्षण में महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ द्वारा व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत ऑनलाइन व्याख्यान 'योग यात्रा में क्रमिक विकास : चित्त वृत्ति, संस्कार और प्रज्ञा के विशेष संदर्भ में' विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शोधपीठ के उप निदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र के द्वारा मुख्य वक्ता के सामान्य परिचय एवं प्रशांतिकी के साथ किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रो. प्रशांत कुमार राय रहे।

प्रो. प्रशांत कुमार राय ने योग के यात्रा में आने वाले विभिन्न पड़ावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने चित्त वृत्ति, संस्कार, प्रज्ञा, समाधि, ज्ञान, प्रज्ञान, संयमन, असंयमन एवं संस्कार आदि योग के विभिन्न पदों को व्याख्यायित किया। उन्होंने शरीर शुद्धि से चित्त शुद्धि की मात्रा पर जोर दिया। वृत्ति पर चर्चा करते हुए कहा कि बहु वृत्ति से शून्य वृत्ति, शून्य वृत्ति से एक वृत्ति और एक वृत्ति से शून्य वृत्ति के तरफ योग की यात्रा चलती है। आज के प्रति वैराग्य से ही आवश्यक की यात्रा तय की जाती है। चित्त वृत्ति का निरोध होने पर इस अवस्था में स्थिति हो जाता है। उन्होंने योग और व्याख्यान पर रिप्पणी करते हुए कहा कि योगसूत्र एवं हठयोग प्रदीपिका ही योग का मानक है। व्याख्यान तथा योग सारी है उसे तारण परम्परा से जीवन पर्यंत आदि से अनेक विद्यार्थियों के पूछे गए प्रश्न का भी जवाब दिया।

इस आनलाइन व्याख्यान में कार्यक्रम का संचालन शोधपीठ के रिसर्च एसोसिएट डॉ. सुनील कुमार द्वारा किया गया। शोधपीठ के सहायक निदेशक डॉ. लोकल सिंह द्वारा मुख्य वक्ता एवं सत्रस्थ श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। शोधपीठ के सहायक प्रध्यापकों डॉ. मनीष कुमार, डिमेटी, अशिक शोध अध्येता डॉ. लोकल सिंह, विश्वनाथनाथ नाथन, डॉ. रितेश लाल चंद्रे, अमृत आदि विद्यार्थी उड़ो रहे

Swatantra Chetna
Page - 05

छात्राओं को सिखाया सहयोगात्मक कौशल विकसित करने का हुनर

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में आयोजित मिशन शक्ति के 5वें चरण के अंतर्गत महिलाओं के लिए रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुक्रवार के सत्र में कौशल एवं आलोचनात्मक विश्लेषण जैसे विषयों को शामिल किया गया। नांदी फाउंडेशन के प्रशिक्षक अमित उत्तरानी, अंकित पुरी और मोहम्मद शाकिब ने कार्यस्थल पर समन्वय और सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। छात्राओं को सिखाया गया कि कैसे एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक दूसरों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रशिक्षकों ने छात्राओं के बीच सहयोगात्मक कौशल विकसित करने और रोजगार में इसके महत्व का अनुभव करने के लिए विभिन्न क्रियाझकलापों की व्यवस्था की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को समय-सीमा मे कार्य पूरा करने, आपसी सामंजस्य बनाने, विवादों को सुलझाने तथा सौहार्दपूर्ण कार्य संस्कृति बनाने के बारे में जागरूक किया। बी एंड आई के समन्वयक डॉ. मनीष कुमार और बी एंड आई के शिक्षक डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. अंशिका मिश्रा, डॉ. फरोजान, डॉ. सारिका गुप्ता और सुश्री खुशबू वर्मा पूरे सत्र में उपस्थित रहे।

बी०आई०टी०में डॉ० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक वि.वि. द्वारा आयोजित कार्यक्रम का हुआ समापन

स्वतन्त्र चेतना

सहजनवां / गोरखपुर। बुद्धा इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गीडा, गोरखपुर के दो दिवसीय खेल महोत्सवका समापन हुआ। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी प्रतिकुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर व अध्यक्षता संस्थान के चेयमैन डा० आर .० ए० अग्रवाल ने किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि ने कहा कि बी०आई०टी० गीडा-गोरखपुर हमेशा छात्र-छात्राओं की खेल प्रतिभाओ को लगातार ऐसे कार्यक्रमों के द्वारा मंच प्रदान कर रहा है जिससे सभी छात्र-छात्राओं का शारीरिक व मानसिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि समानव जीवन में स्वस्थ रहना बहुत ही आवश्यक है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। उन्होंने उपस्थित छात्र/छात्राओं को ऐसे आयोजनों का लाभ लेकर अपने खेल कैरियर को सफल बनाने की शुभकामनाएँ दी। कार्यकम अध्यक्ष डा० आर०ए० अग्रवाल ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं सदैव आपको सकारात्मक विचार रखने की प्रेरणा प्रदान करता है जिससे आप जो फिट है वह हिट है जैसे फामूर्ले पर अग्रसर होकर अपने करियर में उच्च स्थान प्राप्त करते हैं। इस आयोजन के लिए ए के टी यू लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे सर एवं विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक रणजीत सिंह जी सहायक कुलसचिव को बी.आई.टी.संस्था द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक रणजीत सिंह जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय सभी छात्र-छात्राओं के शारीरिक विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम विभिन्न संस्थाओं में करता है। जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।